लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 292

22 जुलाई, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

राष्ट्रीय वस्त्र निगम मिलें

292. श्री शफी परम्बिल:

श्री तमिलसेल्वन थंगा:

डॉ. गणपथी राजकुमार पी.:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में फिलहाल कितनी राष्ट्रीय वस्त्र मिलें चल रही हैं और आज की तारीख तक, तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों में इन मिलों में वर्तमान में काम कर रहे कामगारों की संख्या मिलवार कितनी है;

(ख) 2015 से बंद हुई एनटीसी मिलों की तमिलनाडु सहित राज्यवार संख्या कितनी है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या बंद मिलों के कामगारों के पुनर्वास हेतु कोई कदम उठाए गए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या तमिलनाडु में कुछ एनटीसी मिलें बंद हो गई हैं और उनके कामगारों को वेतन संवितरण पूरी तरह से बंद कर दिया गया है;

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और आज की स्थिति के अनुसार, कोविड-19 से पहले और बाद में इन कामगारों को कितना वेतन दिया जा रहा है;

(च) क्या सरकार को बंद एनटीसी मिलों को पुनः खोलने और इन कामगारों को वेतन का संवितरण करने के लिए कामगार संघों/एसोसिएशनों से कोई अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है; और

(छ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

वस्त्र मंत्री

(श्री गिरिराज सिंह)

(क): वर्तमान में, वित्तीय बाधाओं के कारण एनटीसी की सभी 23 मिलों (तमिलनाडु राज्य में स्थित मिलों सहित) का संचालन बंद कर दिया गया है। वर्तमान में इन मिलों में कार्यरत कामगारों की संख्या 7391 है। तमिलनाडु सहित राज्यवार और मिलवार विवरण अनुलग्नक में दिया गया है।

(ख): वर्ष 2015 से एनटीसी की कोई भी मिल बंद नहीं हुई है।

(ग): सरकार वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने के लिए अखिल भारतीय स्तर पर विभिन्न योजनाओं/पहलों को क्रियान्वित कर रही है। प्रमुख पहलों में प्रधानमंत्री मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और अपैरल पार्क (पीएम मित्र), उत्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम), वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण योजना-समर्थ, जूट (उन्नत खेती और उन्नत कताई प्रक्रिया-आईसीएआरई), सिल्क समग्र 2.0, राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम, राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम, एकीकृत ऊन विकास कार्यक्रम (आईडब्ल्यूडीपी) आदि शामिल हैं।

(घ) से (छ): कोविड-19 और मार्च, 2020 से केंद्र/राज्य सरकारों द्वारा लगाए गए देशव्यापी लॉकडाउन के कारण सभी 23 चालू एनटीसी मिलों में उत्पादन गतिविधि बंद कर दी गई थी। जनवरी, 2021 से कुछ एनटीसी मिलों में सामान्य प्रचालन फिर से शुरू किया गया था, जो कार्यशील पूंजी की अनुपलब्धता और अन्य वित्तीय बाधाओं के कारण जारी नहीं रह सका।

गंभीर वित्तीय बाधाओं के बावजूद, सभी आईडीए कर्मचारियों और आवश्यक सेवाओं के लिए आवश्यक कामगारों को अक्टूबर, 2024 तक पूर्ण वेतन एवं मजदूरी का भुगतान किया गया है। तथापि, शेष कामगारों को, जो ड्यूटी पर उपस्थित नहीं हो रहे थे, उन्हें जून 2023 तक उनके वेतन का 100% भुगतान किया गया। इसके अलावा, इन कामगारों को जुलाई, 2023 से अक्टूबर, 2024 तक उनके वेतन का 50% भुगतान किया गया।

सरकार को श्रमिक संघों, कर्मचारी संघों आदि से कई ज्ञापन प्राप्त हो रहे हैं। एनटीसी प्रबंधन अपने कामगारों को वेतन देने के लिए निधि जुटाने का निरंतर प्रयास कर रहा है।

अनुलग्नक

एनटीसी में मिलवार और राज्यवार कर्मचारियों और कामगारों का विवरण

क्र.सं.	**मिल का नाम**	**राज्य**	**स्थान**	**कर्मचारी/कामगारों की संख्या**
1	कंबोडिया मिल्स	तमिलनाडु	कोयंबटूर	194
2	सी.एस. एंड डब्ल्यू., कोयंबटूर	तमिलनाडु	कोयंबटूर	57
3	कोयंबटूर मुरुगन मिल्स	तमिलनाडु	कोयंबटूर	138
4	कालीश्वरर मिल्स 'बी' यूनिट	तमिलनाडु	कलैयारकोइल	316
5	पायनियर स्पिनर्स	तमिलनाडु	कमुथकुडी	289
6	पंकजा मिल्स	तमिलनाडु	कोयंबटूर	133
7	एस.आर.वी. मिल्स	तमिलनाडु	कोयंबटूर	228
8	अलगप्पा टेक्सटाइल्स मिल्स	केरल	त्रिशूर	204
9	सी.एस. एंड डब्ल्यू. मिल्स, कन्नूर	केरल	कन्नूर	225
10	केरलक्ष्मी मिल्स	केरल	त्रिशूर	376
11	विजयमोहिनी मिल्स	केरल	तिरुवनंतपुरम	284
12	सी.एस. एंड डब्ल्यू. मिल्स माहे	पुडुचेरी	माहे	320
13	तिरुपति कॉटन मिल्स	आंध्र प्रदेश	रेनीगुंटा	96
14	न्यू मिनेर्वा मिल्स	कर्नाटक	हासन	263
15	इंदु मिल नं. 5	महाराष्ट्र	मुंबई	333
16	टाटा मिल	महाराष्ट्र	मुंबई	427
17	पोडार मिल	महाराष्ट्र	मुंबई	146
18	बार्शी मिल	महाराष्ट्र	महाराष्ट्र	218
19	फिनले मिल अचलपुर	महाराष्ट्र	महाराष्ट्र	794
20	बुरहानपुर तप्ती मिल	मध्य प्रदेश	मध्य प्रदेश	796
21	एन.बी.टी.	मध्य प्रदेश	मध्य प्रदेश	744
22	राजनगर मिल	गुजरात	गुजरात	442
23	आरती मिल	कोलकाता	कोलकाता	368
कुल				7,391

*****